एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूलपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओ 001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत और संकल्पनाएं
एमएसओ 002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमएसओ 003 : विकास का समाजशास्त्र
एमएसओ 004 : भारत में समाजशास्त्र

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-001, 002, 003, 004 / सत्रीय कार्य / टीएमए/2022–23

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2022 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2023**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2023**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिंदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं संकल्पनाएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 कार्यक्रम कोड : एमएसओ
अधिभारिता : 30% पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.–001/ सत्रीय कार्य / टीएमए / 2022–2023

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. सिद्धांत और प्रतिमान (paradigm) के बीच संबंध पर व्याख्या कीजिए। 20

2. रैडक्लिफ–ब्राउन और मॉलिनोवस्की के प्रकार्यात्मक दृष्टिकोणों में तुलना और अंतर स्पष्ट कीजिए। 20

3. ईसाह बर्लिन के लेखन में स्वतंत्रता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20

4. नव–प्रकार्यात्मकवाद क्या है? इसके गुण एवं परिसीमाओं की जाँच कीजिए। 20

5. सामाजिक संरचना की अवधारणा एक प्रतिमान के रूप में चर्चा कीजिए। 20

भाग – II

6. परिचय और अभिज्ञान के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए। 20

7. संप्रभुता क्या है? आंतरिक एवं बाहरी संप्रभुता के बीच अंतर पर विवेचना कीजिए। 20

8. अलगाव की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

9. सामाजिक स्तरीकरण पर प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए। 20

10. फूको द्वारा समाज को समझने के लिए 'ज्ञान के पुरातात्विक' दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एमएसओ–002 : शोध पद्धतियाँ और कार्यविधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2022–2023

अधिकतम अंक : 100
अधिभारिता : 30:

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

1. परिघटना क्या है? मार्टिन हेडेगर के योगदान को ध्यान में रखकर स्पष्ट कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डन की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25

3. तुलनात्मक विधि का वर्णन कीजिए। सामाजिक विज्ञान शोध में इसके क्षेत्र–विस्तार ;बवचमद्ध की चर्चा कीजिए। 25

4. सामाजिक शोध में सहभागितापरक उपागम की चर्चा कीजिए। परंपरागत शोध कार्यपद्धति के साथ इसकी तुलना एवं इनके बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 25

5. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीअधिकारवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

भाग ख

निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. भारत में परिवार संरचना और पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन 50

2. शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में मुक्त एवं दूर शिक्षा का महत्व 50

3. समाजशास्त्रीय शोध में विश्लेषण की परिमाणात्मक विधि की प्रासंगिकता 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से एकत्रित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद की किसी चुनी हुई विषयवस्तु पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख लिखते समय अध्ययन की अवस्थिति, अनुसरणीय कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य निष्कर्षों को ध्यान में रखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र कर, तुलनात्मक ढाँचे में चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट लिखनी है। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों एवं समस्याओं को खोल कर स्पष्ट करें और

- मुद्दे को मौजूदा/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या का रूप दें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणाम को ठोस रूप से स्पष्ट करें, और
- उचित विचारणीय बिंदुओं ;तममितमदबपदहद्ध का उल्लेख अंत में करें।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
एम.एस.ओ.–003: विकास का समाजशास्त्र

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–003
सत्रीय कोडः एम.एस.ओ.–003/सत्रीय कार्य/
टी.एम.ए. /2022–23
अधिभारित : 30%
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

भाग– I

1. विकास क्या है? मार्क्स और पार्सन्स द्वारा विकसित उद्विकासवादी मॉडल की तुलना कीजिए। **20**

2. आधुनिकीकरण की अवधारणा और इसके विभिन्न दृष्टिकोणों की उदाहरण सहित विस्तार से चर्चा कीजिए। **20**

3. सतत विकास क्या है? वैश्वीकरण के संदर्भ में सतत विकास के भविष्य की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। **20**

4. ज्ञान/सूचना समाज क्या है? समुदायों को सशक्त बनाने में ज्ञान और आईसीटी की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। **20**

5. भारत में वैश्वीकरण के सामाजिक आयामों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। **20**

भाग – II

6. महिलाओं के विकास पर बदलते परिप्रेक्ष्य पर चर्चा कीजिए। **20**

7. विकास के मार्क्सवादी दृष्टिकोण की आलोचना लिखिए। **20**

8. निर्भरता सिद्धांत का वर्णन कीजिए। **20**

9. समाज के वंचित वर्गों के सशक्तिकरण में नागरिक समाज की भूमिका की विवेचना कीजिए। **20**

10. विकास पर गांधीवादी दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए। **20**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–004 : भारत में समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2022–2023

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. भारत में समाजशास्त्र के उद्भव की सामाजिक–ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए। 20

2. भारत में समाजशास्त्र में प्रमुख शोध प्रवृत्तियों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। 20

3. जाति को अवधारणा को परिभाषित कीजिए एवं उपयुक्त उदाहरण के साथ जाति पर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य पर चर्चा कीजिए। 20

4. भारत में वैवाहिक पद्धति को प्रभावित करने वाले सामाजिक और प्रौद्योगिक परिवर्तनों की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए। 20

5. उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय नातेदारी पद्धति में अंतर स्पष्ट कीजिए। 20

भाग – II

6. भारत में प्रमुख कृषिक वर्ग कौन से है? विभिन्न समाजशास्त्रियों के योगदान के संदर्भ में चर्चा कीजिए। 20

7. भारत में मध्यम वर्ग के मुख्य लक्षणों की उचित उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। 20

8. भारत में जाति, वर्ग एवं लैंगिक की अवधारणाओं की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

9. महामारी या भूकंप जैसी सामाजिक अथवा प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रवसन ग्रामीण एवं शहरी समाजों को कैसे प्रभावित करता है? 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षित टिप्पणी लिखिए: 20

क) नगर एवं नगरवाद की अवधारणा
ख) भारत में वैश्वीकरण
ग) सामाजिक आंदोलनः प्राचीन एवं नवीन
घ) सामाजिक परितर्वन एवं परिवार पर इसका प्रभाव